ont>

Title: Need to open a Central School at Bulsar, Gujarat.

श्री मणिभाई रामजीभाई चौधरी (बलसाड़) : महोदय, यद्यपि गत चार वर्षों में शिक्षा का जितना प्रचार प्रसार हुआ है, वह काफी प्रशंसनीय रहा है, लेकिन आज भी देश में ऐसे अनेक स्थान हैं, जहां पर विद्यालयों का अभाव बना हुआ है। गुजरात राज्य में स्थित बलसाड़ जनपद जो हरिजन आदिवासी बाहुल्य जनपद है, इस समस्या से अछूता नहीं है। उक्त जनपद में अंग्रेजी / हिन्दी माध्यम का एक भी विद्यालय नहीं है, जबकि इस जनपद में आबकारी, जल संसाधन, आयकर तथा अन्य कई केन्द्र सरकार के कार्यालय स्थापित हैं और उसमें कार्य करने वाले कर्मचारी विभिन्न राज्यों से भेजे गए हैं, जिनको अपने बच्चों को हिन्दी/ अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाना संभव नहीं हो पाता है। परिणामस्वरूप कुछ कर्मचारी अपने बच्चों को अपने गृह राज्य/जनपद में शिक्षा दिलाने के लिए मजबूर होते हैं। लेकिन अल्पवेतन भोगी कर्चमारी जो दो स्थानों का खर्च उठाने में असमर्थ हैं, उन्हें अपने बच्चों को शिक्षा बीच में ही रोकने के लिए मजबूर होना पड़ता है। ऐसे ही अल्पवेतन भोगी कर्मचारियों और स्थानीय लोगों को बच्चों को अच्छी शिक्षा प्राप्ति में व्यवधान को देखते हुए वहां के सामाजिक कार्यकर्ता एवं जन प्रतिनिधि उक्त जनपद में एक केन्द्रीय विद्यालय खोलने की मांग बराबर करते आ रहे हैं।

अतः मेरा केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री जी से विशेा रूप से आग्रह है कि बलसाड़ में इसी सत्र में एक केन्द्रीय विद्यालय उच्च वरीयता एवं प्राथमिकता के आधार पर खोलने की कृपा करें।